

歐陽詢楷書字彙

沈道榮 編



天津古籍出版社



龍泉銘 1



龍泉公碑 1



龍泉公碑 2



九歌碑



龍泉公嘉誌



舍利塔記



千字文 2



龍南墓誌



九歌碑



北齊寺碑

龍泉公碑 2

封面设计:冯爱国

责任编辑:江丽红

千字文

繇

龜

龍

龍泉銘 1

龍

龍

龍

部

部

龍

盧恭公碑 1

龍

九歌碑

龍

變

龜

龍

盧恭公碑 2

襲

龍

藥

皇南墓碑 1

龜

龍泉銘 1

藥

盧恭公墓誌

皇南墓碑 1

變

龍

龍

舍利塔記

龍

藥

ISBN 7-80504-444-9

J·64

定价:42.00元

2

襲

ISBN 7-80504-444-9



9 787805 044446 >

沈道榮 編

歐陽詢楷書字彙

天津古籍出版社

〔津〕新登字 007 号

欧阳询楷书字汇

沈遵荣 编

*

天津古籍出版社出版

(张自忠路 189 号)

佳宁印刷厂印刷

新华书店发行

开本:787×1092 1/16 印张:33.75

1996 年 3 月第 1 版 1996 年 3 月第 1 次印刷

ISBN 7-80504-444-9

J·64 定价:42.00 元

出版說明

如果說中國書法是一座百花園，那麼楷書就是書苑裏一枝穩秀端麗的奇葩。若論楷書，它的發展過程經過了漢末魏初由隸而楷的過渡形態，到南北朝才定型，而真正成熟的楷書到初唐才形成，歐陽詢、褚遂良等人可為代表。這一時期楷書成就卓著，但由于書家多法右軍，創新不足。到中唐由于顏真卿、柳公權等人的出現，使書壇充滿清新的色彩和蓬勃的生機。晚唐書風趨向低穀，堪為典範的人物不多，而且水平有嫌不及。鑒于如上原因，我們選出了歐陽詢、褚遂良、顏真卿、柳公權四家真書作品分別匯集編排，希望對廣大讀者研究楷書發展及四家真書的結構特點、變化規律，掌握其妙法真諦有所裨益。

歐陽詢字信本，潭州臨湘（今湖南長沙）人，生于陳武帝永定元年（公元五五七年），卒于唐太宗貞觀十五年（公元六四一年）。歐陽詢年幼失怙，養父教以書記。他天資聰悟絕倫，每讀即數行并下，再加以勤奮好學，博覽經史，名重一時。初仕隋太學博士。貞觀初，官至銀青光祿大夫、太子率更令，世稱『歐陽率更』。時于弘文館傳授筆法，官弘文館學士。後封渤海男。

歐陽詢以善書著名，初學二王及北齊三公郎中劉珉，勁險刻歷，于平正中見險絕。後以『剛健險勁，法度森嚴』自成一統，人稱『歐體』。後世臨習者很多，但往往苦于不得精髓，以至流于平板，缺乏生機。我們編選這部字彙，旨在為廣大讀者研習『歐體』提供一種實用的工具書。

凡例

一、本書是供書法藝術工作者和廣大書法愛好者研究與學習『歐體』必備的實用性工具書。

二、本書收入歐陽詢傳世的書法代表作品——大、中、小楷碑帖十一種，共有十七種版本，均選用最佳版本的影印件薈萃而成，保持了『歐體』的藝術風格和神韻。

三、本書的編排均按漢字的偏旁部首爲序。每個真書字頭均以印刷宋體并圓圈領銜，圓圈外所附異體字用方括號括住，顯示漢字的演變情況。個別字與真書字頭的字形差別較大的，就在所輯的字上方加以注釋。碑帖簡稱後面的阿拉伯數字，表示選用的不同版本編號，或原拓本，或覆刻本。

四、本書共收真書字頭二千二百三十一字，重文總計一萬二千一百八十二字，其中異體一百零八字。所選之字均注明出處，重文的出處注在最末一個字下，即『下管上』，以求章法簡潔明晰。

五、本書附有『部首索引表』，書末附有繁體字、異體字『筆畫檢字表』，便于檢索。

部首索引表

一画	一	丨	ノ	丶	乙	二画	十	厂	ナ	匚	冂	卜	リ	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂	冂
----	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

歐陽詢楷書字彙

沈道榮編

一

部



姚辯墓誌



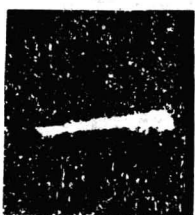
化度寺碑 1



醴泉銘 1



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



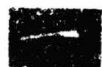
虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



皇甫誕碑 1



舍利塔記



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



姚辯墓誌



虞恭公碑 2



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



舍利塔記



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



化度寺碑 1



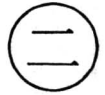
虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



九歌碑



姚辯墓誌



化度寺碑 1



九歌碑



姚辯墓誌



化度寺碑 1



虞恭公碑 2



皇甫誕碑 1



舍利塔記



醴泉銘 1



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



千字文 2



皇甫誕碑 1



姚辯墓誌



化度寺碑 1



醴泉銘 1



虞恭公墓誌



皇甫誕碑 1



舍利塔記



姚辯墓誌



姚辯墓誌



化度寺碑 1



化度寺碑 2



醴泉銘 1



醴泉銘 1



姚辯墓誌



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



千字文 1



千字文 2



舍利塔記



皇甫誕碑 1



虞恭公墓誌



姚辯墓誌



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



千字文 2



皇甫誕碑 1



姚辯墓誌



姚辯墓誌



舍利塔記



虞恭公碑 1



皇甫誕碑 1



九歌碑



虞恭公碑 2



比年帖



千字文 1



化度寺碑 1



皇甫誕碑 1



千字文 2



姚辯墓誌



舍利塔記



皇甫誕碑 1



虞恭公碑 1



姚辯墓誌



虞恭公碑 2



醴泉銘 1



虞恭公墓誌



皇甫誕碑 1



千字文 1



虞恭公墓誌



舍利塔記



千字文 2



千字文 1



醴泉銘 1



姚辯墓誌



皇甫誕碑 1



虞恭公碑 2



千字文 2



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



皇甫誕碑 1



皇甫誕碑 1



千字文 1



千字文 2



九歌碑



虞恭公碑 2



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



姚辯墓誌



化度寺碑 1



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



皇甫誕碑 1



九歌碑



千字文 1



千字文 2



醴泉銘 1



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



姚辯墓誌



醴泉銘 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



舍利塔記



比年帖



舍利塔記



九歌碑



醴泉銘 1



虞恭公墓誌



千字文 1



化度寺碑 1



醴泉銘 1



千字文 1



千字文 2



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



舍利塔記



九歌碑



千字文 1



千字文 2



九歌碑



醴泉銘 1



比年帖



虞恭公碑 1



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌



千字文 1



千字文 2



皇甫誕碑 1



舍利塔記



虞恭公碑 2



虞恭公墓誌